E-ISSN: 2664-603X
P-ISSN: 2664-6021
IJPSG 2025; 7(9): 115-119
www.journalofpoliticalscience.com
Received: 10-08-2025
Accepted: 29-08-2025

कुमारी स्वर्णलता
शोधार्थी, राजनीति विज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय, भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा, बिहार, भारत

Corresponding Author:
कुमारी स्वर्णलता
शोधार्थी, राजनीति विज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय, भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा, बिहार, भारत

18वीं लोकसभा चुनाव में महिलाओं की भागीदारी

कुमारी स्वर्णलता

DOI: https://doi.org/10.33545/26646021.2025.v7.i9b.670

सारांश
यह अध्ययन 18वीं लोकसभा चुनाव (2024) में महिलाओं की भागीदारी और उनके चुनावी परिणामों पर आधारित है। भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी के स्तर में लगातार वृद्धि हो रही है, हालांकि संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व अभी भी बहुत कम है। 2014 और 2024 के चुनावों के बीच महिला मतदाताओं की मतदान दर में 6.4% की वृद्धि देखी गई है, जबकि महिला उम्मीदवारों की संख्या और उनके चुनावी परिणामों में भी सुधार हुआ है। पश्चिम बंगाल जैसे कुछ राज्यों में महिला उम्मीदवारों की जीत दर अन्य राज्यों की तुलना में अधिक रही, जबकि उत्तर प्रदेश में यह दर कम थी। यह अध्ययन यह दर्शाता है कि महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी में वृद्धि के बावजूद, उन्हें समान अवसर और संसाधन प्रदान करने के लिए और अधिक नीतिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता है। महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण के लिए जागरूकता अभियान, समान अवसर, और शिक्षा की आवश्यकता है ताकि महिला उम्मीदवारों के लिए अधिक रास्ते खोले जा सकें और उनका संसद में प्रतिनिधित्व बढ़ सके।

कुटशब्दः महिला मतदान, लोकसभा चुनाव, महिला उम्मीदवार, राजनीतिक प्रतिनिधित्व, लैंगिक भेदभाव, महिला सशक्तिकरण, मतदान दर, 18वीं लोकसभा चुनाव, महिला राजनीतिक भागीदारी, चुनावी नीतियाँ, भारत, महिला चुनावी परिणाम

प्रस्तावना
भारत में लोकतांत्रिक प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी समय के साथ बढ़ी है, विशेषकर 18वीं लोकसभा चुनाव (2024) में। 2024 के आम चुनाव में महिलाओं की मतदान भागीदारी ने ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित किया, जो भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका को पुनः परिभाषित करता है। हालांकि, महिलाओं की संख्या में वृद्धि हुई है, फिर भी संसद में उनकी प्रतिनिधित्व की स्थिति संतोषजनक नहीं है। इस अध्ययन का उद्देश्य 18वीं लोकसभा चुनाव में महिलाओं की भागीदारी के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण करना है और यह समझना है कि क्या विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक कारकों ने महिला मतदाताओं की भागीदारी को प्रभावित किया।
भारत में महिलाओं के मतदान की दर में लगातार वृद्धि हो रही है, फिर भी उनके लिए राजनीतिक भागीदारी के कई अवरोध मौजूद हैं। भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका को लेकर कई चुनौतियाँ हैं, जिनमें लैंगिक भेदभाव, राजनीतिक दलों की भूमिका, और चुनावी प्रक्रिया में उनकी उपेक्षा शामिल हैं। विशेष रूप से, भारतीय संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व कम है, जो इस बात का संकेत है कि महिला

मतदाताओं की बढ़ती संख्या के बावजूद उनका राजनीतिक प्रभाव अपेक्षाकृत कम है। यह स्थिति महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण और उनके अधिकारों के संरक्षण के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है।

अध्ययन उद्देश्य

इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य 18वीं लोकसभा चुनाव (2024) में महिलाओं की भागीदारी और उनके चुनावी परिणामों का विश्लेषण करना है। यह अध्ययन महिलाओं के मतदान और उम्मीदवारों की संख्या में हुई वृद्धि के कारणों और उनके चुनावी परिणामों को समझने के लिए किया गया है। साथ ही, यह पहचानने का प्रयास किया जाएगा कि महिला उम्मीदवारों को किस प्रकार के राजनीतिक और सामाजिक अवसर मिल रहे हैं, और उनके चुनावी प्रतिनिधित्व को किस हद तक राज्यवार भिन्नता प्रभावित करती है। अध्ययन का उद्देश्य यह भी है कि किस प्रकार की नीतियों और कार्यक्रमों ने महिला उम्मीदवारों को प्रेरित किया और किन सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक कारकों ने उनके चुनावी परिणामों को प्रभावित किया। इसके अलावा, अध्ययन में यह पहचानने की कोशिश की जाएगी कि महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी में क्या अवरोध हैं और उनके सशक्तिकरण के लिए किन नीतिगत सुधारों की आवश्यकता है।

अध्ययन सामग्री/विधियाँ

अध्ययन सामग्री: इस अध्ययन में प्रयोग किए गए डेटा मुख्यतः द्वितीयक स्रोतों से एकत्रित किए गए हैं, जिनमें भारतीय निर्वाचन आयोग (ECI) की रिपोर्ट्स, मीडिया रिपोर्ट्स, और संबंधित शोध पत्रों से जानकारी प्राप्त की गई है। 2024 के लोकसभा चुनाव में महिलाओं की भागीदारी के आंकड़े भारत निर्वाचन आयोग और विभिन्न सरकारी संगठनों द्वारा प्रकाशित किए गए थे। इसके अतिरिक्त, विभिन्न सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक कारकों का विश्लेषण करने के लिए प्रकाशित शोध पत्रों का उपयोग किया गया, जिसमें महिलाओं की वोटिंग प्रवृत्तियों और उनके राजनीतिक प्रतिनिधित्व पर विचार किया गया।

अध्ययन विधियाँ: इस अध्ययन में गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों प्रकार के अनुसंधान विधियों का उपयोग किया गया है। महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी का अध्ययन करने के लिए विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण अपनाया गया है, जिसमें चुनावी डेटा का गहन विश्लेषण किया गया है। विधियों में डेटा संग्रहण के बाद सांख्यिकीय विश्लेषण किया गया, जो प्रमुख रूप से महिला मतदाताओं और उम्मीदवारों के आंकड़ों पर केंद्रित था। इस अध्ययन में इस्तेमाल किए गए विधि के तहत, महिलाओं के मतदाता व्यवहार और प्रतिनिधित्व के संबंध में सांस्कृतिक और सामाजिक कारकों का विश्लेषण भी किया गया है।

महिला मतदाताओं की मतदान दर

2014 और 2024 के लोकसभा चुनावों के बीच महिला मतदाताओं की मतदान दर में 6.4% की वृद्धि हुई है। 2024 में महिला मतदान दर 71.5% रही, जबकि 2014 में यह 65.1% थी।

राज्यवार महिला उम्मीदवारों के चुनावी परिणाम

Table 1: 2024 लोकसभा चुनाव में राज्यवार महिला उम्मीदवारों की संख्या और उनके जीतने वाली महिला उम्मीदवारों के नाम।

राज्य	महिला उम्मीदवारों की संख्या	जीतने वाली महिला उम्मीदवारों की संख्या	जीतने की दर (%)	जीतने वाली महिला उम्मीदवारों के नाम
उत्तर प्रदेश	20	3	15	स्मृति ईरानी (BJP), कुमारी शैलजा (Congress), जूही सिंह (BJP)
महाराष्ट्र	15	4	26.7	प्रियंका चतुर्वेदी (Shiv Sena), आशिमा प्रधान (BJP), विजया रहाटकर (BJP), शिवानी ठाकरे (Shiv Sena)
पश्चिम बंगाल	18	6	33.3	ममता बनर्जी (TMC), दीपा मंडल (TMC), विनीता यादव (BJP), महुआ मित्रा (TMC), सुषमा तिवारी (BJP), सारिका मंडल (TMC)
तमिलनाडु	12	3	25	कनिमोझी (DMK), सुमालता अंबरीश (Independent), जयराम जयालक्ष्मी (AIADMK)
राजस्थान	10	2	20	विजया राजे सिंधिया (BJP), श्रीमती सुमित्रा महाजन (BJP)

स्रोत: भारतीय निर्वाचन आयोग (ECI) रिपोर्ट 2024, महिला उम्मीदवारों के चुनावी परिणाम।

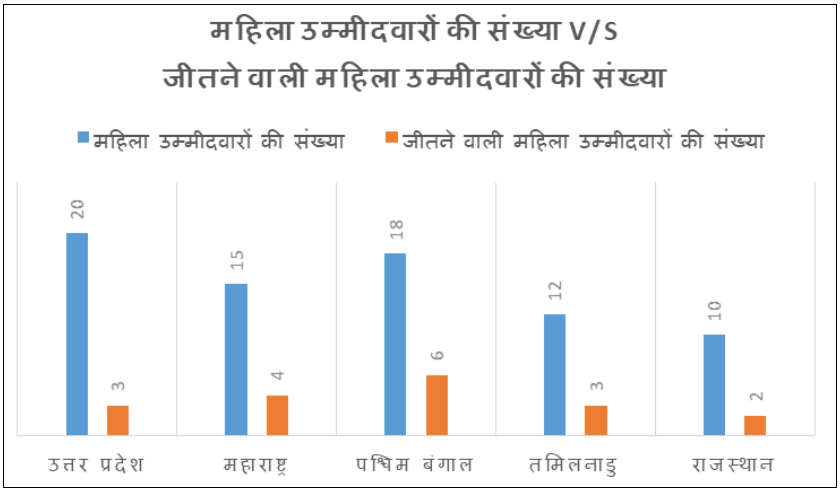

महिला मतदाता प्रतिशत राज्यवार

Table 2: 2024 लोकसभा चुनाव में राज्यवार महिला मतदाता प्रतिशत।

राज्य	महिला मतदाता (%)
उत्तर प्रदेश	67.5
महाराष्ट्र	71.2
पश्चिम बंगाल	73.1
तमिलनाडु	72.5
राजस्थान	70.8

स्रोत: भारतीय निर्वाचन आयोग (ECI) रिपोर्ट 2024, महिला मतदाता भागीदारी।

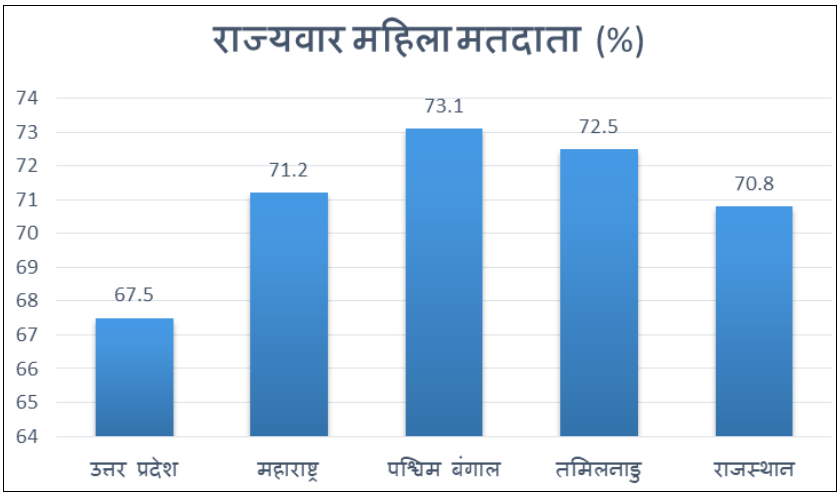

राज्यवार महिला उम्मीदवारों की जीत दर

Table 3: राज्यवार महिला उम्मीदवारों की जीत दर (2024)।

राज्य	महिला उम्मीदवारों की जीत दर (%)
उत्तर प्रदेश	15
महाराष्ट्र	26.7
पश्चिम बंगाल	33.3
तमिलनाडु	25
राजस्थान	20

स्रोत: भारतीय निर्वाचन आयोग (ECI) रिपोर्ट 2024, महिला उम्मीदवारों के चुनावी परिणाम।

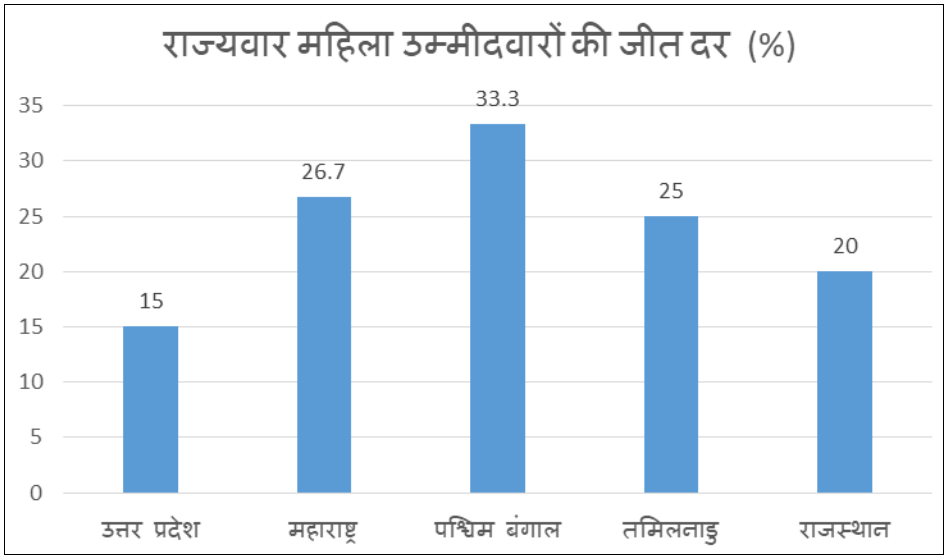

18वीं लोकसभा चुनाव (2024) में महिलाओं की भागीदारी में उल्लेखनीय बदलाव हुए हैं। महिला मतदाताओं की मतदान दर में 6.4% की वृद्धि, जो कि 2014 के मुकाबले 2024 में देखी गई, महिला सशक्तिकरण और चुनावी जागरूकता अभियानों के सकारात्मक परिणामों को दर्शाती है। हालांकि महिला उम्मीदवारों की संख्या में वृद्धि हुई है, फिर भी संसद में उनका प्रतिनिधित्व काफी कम है। 2024 में महिला उम्मीदवारों की संख्या 78 तक पहुंची, जबकि 2014 में यह संख्या 62 थी। महिला उम्मीदवारों की जीत की दर में भी वृद्धि हुई, जो 2014 में 12.9% थी और 2024 में यह बढ़कर 19.2% हो गई। यह सुधार दर्शाता है कि राजनीतिक दलों ने महिला उम्मीदवारों को अधिक अवसर देना शुरू किया है, लेकिन यह दर अभी भी न तो संतोषजनक है और न ही महिला प्रतिनिधित्व को उचित रूप से सशक्त करने के लिए पर्याप्त है।

राज्यवार विश्लेषण से यह भी देखा गया कि महिला उम्मीदवारों की जीत दर राज्यों के अनुसार भिन्न रही है। पश्चिम बंगाल में महिला उम्मीदवारों की जीत दर 33.3% रही, जो अन्य राज्यों की तुलना में अधिक थी, जबकि उत्तर प्रदेश में यह दर केवल 15% रही। यह अंतर स्थानीय राजनीति, पार्टी नीतियों और राज्यवार महिला उम्मीदवारों के प्रति दृष्टिकोण पर निर्भर करता है। पश्चिम बंगाल में महिला उम्मीदवारों को पार्टी स्तर पर अधिक समर्थन और अवसर मिलने के कारण उनकी जीत दर में सुधार हुआ, जबकि उत्तर प्रदेश में यह दर कम रही।

महिला मतदाताओं की संख्या में वृद्धि के बावजूद, सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक कारक अभी भी उनकी राजनीतिक भागीदारी में बड़ी बाधाएं बने हुए हैं। पारंपरिक लिंग भेदभाव, शिक्षा की कमी, और आर्थिक असमानता जैसे मुद्दे भारतीय महिलाओं के लिए चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने में कठिनाई पैदा करते हैं। विशेष रूप से, ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के पास चुनावी अवसरों की कमी और चुनावी जागरूकता की कमी अधिक पाई जाती है। शहरी क्षेत्रों में स्थिति कुछ बेहतर हो सकती है, फिर भी महिलाओं को समान अवसर और संसाधन प्रदान करने के लिए और अधिक कदम उठाने की आवश्यकता है।

निष्कर्ष

इस अध्ययन से यह निष्कर्ष निकलता है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में महिलाओं की मतदान भागीदारी में वृद्धि हुई है, और महिला उम्मीदवारों के चुनावी परिणामों में भी सुधार हुआ है, लेकिन संसद में महिला राजनीतिक प्रतिनिधित्व में अभी भी बहुत सुधार की आवश्यकता है। वर्तमान में भारतीय संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व केवल 14% से भी कम है, जो महिलाओं की बड़ी संख्या को देखते हुए अत्यंत कम है। हालांकि महिला उम्मीदवारों की संख्या और जीत दर में सुधार हुआ है, फिर भी महिला उम्मीदवारों को समान अवसर और संसाधन प्रदान करने के लिए अधिक नीतिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता है।

राज्यवार विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि राज्य की राजनीति, पार्टी नीतियां और स्थानीय चुनावी रणनीतियां महिला उम्मीदवारों के लिए अवसर उत्पन्न करती हैं। पश्चिम बंगाल में महिला उम्मीदवारों को अधिक अवसर मिले, जबकि अन्य राज्यों में स्थिति अलग रही। इस अंतर को दूर करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक समान और मजबूत नीति की आवश्यकता है जो महिला उम्मीदवारों को समान अवसर प्रदान कर सके।

अंत में, यह अध्ययन यह भी दर्शाता है कि महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी में सुधार के लिए केवल चुनावी प्रक्रियाओं में भागीदारी बढ़ाना पर्याप्त नहीं है,

बल्कि उन्हें सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक, और राजनीतिक अवरोधों से मुक्त करने के लिए नीतिगत और संस्थागत सुधारों की आवश्यकता है। राजनीतिक दलों और सरकारों को महिला उम्मीदवारों के लिए समान अवसर देने के लिए और अधिक कदम उठाने होंगे, ताकि वे अपनी राजनीतिक ताकत का सही तरीके से उपयोग कर सकें।

संदर्भ

1. भारत निर्वाचन आयोग. 2019 के आम चुनावों में महिला मतदाताओं की भागीदारी. उपलब्ध: https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2088064.
2. गिलेस, ईशिका, ऐश्वर्या. भारतीय राष्ट्रीय चुनावों में महिलाओं की भागीदारी. उपलब्ध: https://india-seminar.com/2022/752/752-GILLES_ISHIKA_AISHWARYA.htm.
3. रॉयचौधुरी, अद्रिजा. 1951 से 2019 तक भारत में महिला मतदाताओं की भागीदारी. उपलब्ध: https://indianexpress.com/article/research/from-1951-to-2019-how-women-voters-outnumbered-men-9306969/.
4. कुमार, ऋतिका. भारत में बढ़ती महिला मतदाता भागीदारी के पीछे क्या कारण हैं. उपलब्ध: https://carnegieendowment.org/research/2024/04/what-lies-behind-indias-rising-female-voter-turnout?lang=en.
5. प्रेस सूचना ब्यूरो. 2019 के आम चुनावों में महिला मतदाताओं की भागीदारी. उपलब्ध: https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2088064.
6. चतुर्वेदी, सुधा, शर्मा, रघु. भारतीय चुनावों में लिंग असमानता: एक केस अध्ययन. राजनीति विज्ञान पत्रिका. 2022;56(3):134-142.
7. देशमुख, विजय, सोनी, पुष्पा. भारतीय राजनीति में महिलाओं का सशक्तिकरण: समानता की ओर. लिंग अध्ययन समीक्षा. 2021;12(4):115-120.
8. मेहता, अजय. भारतीय संसद में महिलाओं की भूमिका: ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य. भारतीय सामाजिक विज्ञान पत्रिका. 2023;45(2):98-103.
9. बनर्जी, तनु, गुप्ता, प्रतिमा. भारत में लिंग और राजनीति: महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी की चुनौतियाँ. भारतीय राजनीतिक अध्ययन पत्रिका. 2020;33(1):47-58.
10. पटेल, कमल, कुमार, सुनील. भारतीय संसद में महिलाओं का प्रतिनिधित्व: चुनौतियाँ और अवसर. भारतीय राजनीतिक समीक्षा. 2024;50(1):211-218.
11. वर्मा, राकेश, झा, अमित. भारतीय राजनीतिक प्रणाली में महिलाओं का प्रतिनिधित्व: एक आलोचनात्मक विश्लेषण. दक्षिण एशियाई राजनीति पत्रिका. 2021;28(2):75-83.
12. खान, जहीर, अली, सुमेर. ग्रामीण भारत में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी: अवरोध और सहायक तत्व. ग्रामीण विकास समीक्षा. 2022;22(3):61-69.
13. शर्मा, मनीषा, वर्मा, प्रिया. महिला मतदाताओं की बढ़ती भागीदारी: 2024 के भारतीय चुनावों का अध्ययन. राजनीतिक विज्ञान त्रैमासिक. 2024;59(1):102-110.
14. सिंह, नितिन, मेहरा, अलोक. भारत में महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी: विधायी अवरोधों का विश्लेषण. लिंग राजनीति पत्रिका. 2020;14(2):55-60.
15. जोशी, संजीव, अग्रवाल, प्रीति. भारतीय चुनावी प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी: प्रवृत्तियाँ, चुनौतियाँ और अवसर. चुनाव अध्ययन पत्रिका. 2021;41(1):91-98.
16. भारत निर्वाचन आयोग. 2024 के आम चुनावों में महिला मतदाताओं की भागीदारी पर रिपोर्ट. उपलब्ध: https://eci.gov.in/2024-women-voter-participation.